# पाठ्यक्रम संरचना
## कक्षा– XII
## विषय–लेखाशास्त्र (301)

पूर्णांक– 100

सैद्धांतिक – 80 अंक
प्रायोजना – 20 अंक

| स.क्र. | इकाई एवं विषयवस्तु | आबंटित अंक | | कालखण्ड |
|---|---|---|---|---|
| भाग–1 साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिये लेखांकन | | | | |
| 1. | साझेदारी फर्म के लिये लेखांकन | | | |
| | अध्याय 1 साझेदारी लेखांकन–आधारभूत अवधारणाएँ | 11 | | 25 |
| | अध्याय 2 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन – साझेदार का प्रवेश | 06 | | 15 |
| | अध्याय 3 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन– साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु | 05 | 35 | 25 |
| | अध्याय 4 साझेदारी फर्म का विघटन | 13 | | 35 |
| 2. | कंपनी के लिये लेखांकन | | | |
| | अध्याय 5 अंशपूँजी के लिए लेखांकन | 13 | | 35 |
| | अध्याय 6 ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन | 12 | 25 | 30 |
| भाग–2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण | | | | |
| 3. | अध्याय 1 कंपनी के वित्तीय विवरण | 07 | | 10 |
| | अध्याय 2 लेखांकन अनुपात | 05 | 20 | 12 |
| 4. | अध्याय 3 रोकड़ प्रवाह विवरण | 08 | | 13 |
| | अथवा | | | |
| भाग–2 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन | | | | |
| 5. | अध्याय 1 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का संक्षिप्त विवरण | 05 | | 08 |
| | अध्याय 2 इलेक्ट्रानिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग | 04 | | 07 |
| | अध्याय 3 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का उपयोग | 05 | 20 | 08 |
| | अध्याय 4 डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (DBMS) का उपयोग | 06 | | 12 |
| | कुल | 80 | | 200 |
| | प्रायोजना कार्य | 20 | | 20 |
| | महायोग | 100 | | 220 |

टीप :–(i) भाग–1 अनिवार्य है। भाग–2 के विकल्प वित्तीय विवरण का विश्लेषण अथवा कम्प्यूटरीकृत लेखांकन है।

(ii) भाग–1 के साथ भाग–2 के विकल्प में से किसी 01 विकल्प का चयन अनिवार्य है।

# प्रश्नपत्र योजना
## कक्षा – XII
## विषय – लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80

समय – 03:00 घण्टे

### "A"-शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

| क्र. | प्रश्नों के प्रकार | वस्तुनिष्ठ/ एक शब्द में उत्तर | लघु उत्तरीय (SA) | दीर्घ उत्तरीय (LA) | अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-I) | आंकिक (VLA-II) N | कुल अंक | % अधिभार |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 01 | 03 | 04 | 06 | 08 | | |
| 1. | **ज्ञानात्मक (Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न | 03 | 01 | 01 | 01* | - | 16 | 20% |
| 2. | **अवबोधात्मक (Understanding)** अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद | 04 | - | 02 | - | 01 | 20 | 25% |
| 3. | **अनुप्रयोगात्मक (Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/ सिद्धांत के समाधान/हल निकालना | - | 02 | 02 | 01* | - | 20 | 25% |
| 4. | **विश्लेषणात्मक(Analysis)** वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/ एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर | 02 | - | - | 01* | - | 08 | 10% |
| 5. | **मूल्यांकन (Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित | - | - | - | - | 01* | 08 | 10% |
| 6. | **रचनात्मक (Creation/Creativity)** सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/परिकल्पना/संगठित करना | 01 | 01 | 01 | - | - | 08 | 10% |
| | योग | 1x(10)=10 | 3(4)=12 | 4(6)=24 | 6(3)=18 | 8 (2)=16 | 80 | 100% |

### "B"-प्रश्नानुसार विभाजन

| क्र. | प्रश्नों के प्रकार | प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक | कुल प्रश्न | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1. | वस्तुनिष्ठ/एक शब्द में उत्तर | **01** | **10** | **10** |
| 2. | लघुउत्तरीय (SA) | **03** | **04** | **12** |
| 3. | दीर्घउत्तरीय (LA) | **04** | **06** | **24** |
| 4. | अति दीर्घउत्तरीय (VLA-I) | **06** | **03** | **18** |
| 5. | आंकिक (VLA-II) N | **08** | **02** | **16** |
| | | योग | **15+1(10)=16** | **80** |

### "C"-कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

| क्र. | कठिनाई स्तर | अंक | प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 1. | सरल (E) | **24** | 30% |
| | औसत (AV) | **40** | 50% |
| | कठिन (D) | **16** | 20% |
| | योग | **80** | 100% |

# ब्लूप्रिंट
## कक्षा – XII
## विषय – लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

| क्र | इकाई एवं पाठ्यवस्तु | अंको का अधिमार ↓ | वस्तुनिष्ठ / एक शब्द में उत्तर | लघु उत्तरीय (SA) | दीर्घ उत्तरीय (LA) | अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-I) | आंकिक (VLA-II) N | कुल अंक | कुल प्रश्न |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | अंक → | 01 | 03 | 04 | 06 | 08 | | |
| भाग–1 साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिये लेखांकन | | | | | | | | | |
| 1. | साझेदारी फर्म के लिये लेखांकन | | | | | | | | |
| 1. | अध्याय 1 साझेदारी लेखांकन–आधारभूत अवधारणाएँ | 11 | 2 (1T,1N) | 1(T) | - | 1(N)* | - | 11 | 2(2) |
| 2. | अध्याय 2 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन – साझेदार का प्रवेश | 06 | 2 (1T,1N) | - | 1(N)* | - | - | 06 | 1(2) |
| 3. | अध्याय 3 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन– साझेदार की सेवानिवृत्ति / मृत्यु | 05 | 1(T) | - | 1(N)* | - | - | 05 | 1(1) |
| 4. | अध्याय 4 साझेदारी फर्म का विघटन | 13 | 1(T) | - | 1(N)* | - | 1(N)* | 13 | 2(1) |
| 2. | कंपनी के लिये लेखांकन | | | | | | | | |
| 5. | अध्याय 5 अंशपूँजी के लिए लेखांकन | 13 | 1(T) | 2 (1T,1N) | - | 1(N)* | - | 13 | 3(1) |
| 6. | अध्याय 6 ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन | 12 | 1(N) | 1(N) | - | - | 1(N)* | 12 | 2(1) |
| भाग–2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण | | | | | | | | | |
| 7. | अध्याय 1 कंपनी के वित्तीय विवरण | 07 | 1(T) | - | - | 1(T)* | - | 07 | 1(1) |
| | अध्याय 2 लेखांकन अनुपात | 05 | 1(T) | - | 1(N)* | - | - | 05 | 1(1) |
| 8. | अध्याय 3 रोकड़ प्रवाह विवरण | 08 | - | - | 2 (1T,1N)* | - | - | 08 | 2(0) |
| अथवा | | | | | | | | | |
| भाग–2 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन | | | | | | | | | |
| 1. | अध्याय 1 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का अवलोकन | 05 | 1(T) | - | 1(T)* | - | - | 05 | 1(1) |
| 2. | अध्याय 2 इलेक्ट्रानिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग | 04 | - | - | 1(T)* | - | - | 04 | 1(0) |
| 3. | अध्याय 3 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का उपयोग | 05 | 1(T) | - | 1(T)* | - | - | 05 | 1(1) |
| 4. | अध्याय 4 डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (DBMS) का उपयोग करके लेखांकन | 06 | - | - | - | 1(T)* | - | 06 | 1(0) |
| | | 80 | 1(10)=10 | 3(4)=12 | 4(6)=24 | 6(3)=18 | 8(2)=16 | 80 | 15+1(10)=16 |

नोट :– (i) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के दो भाग होंगे। खण्ड 'अ' में 05 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) एवं खण्ड "ब" में 05 प्रश्न एक शब्द में उत्तर (OWA) प्रश्न होंगे।

(ii) *तारांकित प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये जायेंगे। सैद्धांतिक प्रश्नों के आंतरिक विकल्प में सैद्धांतिक (T) प्रश्न और आंकिक (N) प्रश्नों के आंतरिक विकल्प में आंकिक प्रश्न रहेंगे।

(iii) कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या दर्शाती है।

# प्रश्नपत्र योजना

## कक्षा – XII

## विषय– लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) "खण्ड–अ" 05 बहुविकल्पीय (MCQ) प्रश्न होगें। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) खण्ड "ब" में 05 प्रश्न एक शब्द में उत्तर (OWA) प्रश्न होंगे। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 05 तक लघुउत्तरीय (SA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 03 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 30 शब्द
3. प्रश्न क्र0 06 से प्रश्न क्र0 11 तक दीर्घउत्तरीय (LA) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 04 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 75–100 शब्द
4. प्रश्न क्र0 12 से प्रश्न क्र0 14 तक अति दीर्घउत्तरीय (VLA-I) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 06 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 150–200 शब्द
5. प्रश्न क्र0 15 तथा प्रश्न क्र0 16 तक अति दीर्घउत्तरीय आंकिक (VLA-II) N प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में 08 अंक निर्धारित है। शब्द सीमा 200–250 शब्द
6. शब्द सीमा केवल सैद्धांतिक प्रश्नों के लिये हैं।

# पाठ्यक्रम
## कक्षा – XII
## विषय – लेखाशास्त्र (301)

सैद्धांतिक अंक–80 समय–3:00 घंटे

भाग–1 – साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिए लेखांकन

अध्याय : एक –साझेदारी लेखांकन– आधारभूत अवधारणाएँ 11 अंक 25 कालखण्ड

साझेदारी की प्रकृति, साझेदारी विलेख–लेखांकन हेतु अनुकुल प्रावधान, साझेदारी खातों के विशिष्ट पहलू, साझेदारों के पूँजी खातों का अनुरक्षण, साझेदारों के बीच लाभ का विभाजन–लाभ एवं हानि विनियोग खाता, पूँजी पर ब्याज का परिकलन, आहरणों पर ब्याज, एक साझेदार को लाभ की गारंटी, पूर्व समायोजन ।

अध्याय : दो–साझेदारी फर्म का पुर्नगठनः साझेदार का प्रवेश 06 अंक 15 कालखण्ड

साझेदारी फर्म के पुर्नगठन के प्रकार, साझेदार का प्रवेश, नया लाभ विभाजन अनुपात, त्याग अनुपात, ख्याति– ख्याति का अर्थ, ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले घटक, ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता, ख्याति मूल्यांकन की विधियॉं, ख्याति का व्यवहार, संचित लाभों और हानियों का समायोजन, परिसंपत्तियों का पुर्नमूल्यांकन और दायित्वों का पुर्ननिर्धारण, पूँजी का समायोजन, वर्तमान साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन।

अध्याय : तीन–साझेदारी फर्म का पुर्नगठन–साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु 05अंक 25 कालखण्ड

सेवानिवृत्त/मृत्त साझेदार को देय राशि का निर्धारण, नया लाभ विभाजन अनुपात, अभिलाभ अनुपात, ख्याति का व्यवहार, परिसंपत्तियों तथा दायित्वों के लिए पुर्नमूल्याकन के लिए समायोजन, संचित लाभों तथा हानियों का समायोजन, सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि का निपटारा, साझेदारों की पूँजी का समायोजन, साझेदार की मृत्यु ।

अध्याय : चार–साझेदारी फर्म का विघटन– 13 अंक 35 कालखण्ड

साझेदारी का विघटन, फर्म का विघटन, खातों का निपटारा, लेखांकन व्यवहार, रोज–नामचा प्रविष्टियॉं ।

इकाई–2 कंपनी के लिए लेखांकन

अध्याय : पांच–अंशपूँजी के लेखांकन– 13 अंक 35 कालखण्ड

कंपनी की विशेषताएँ, कंपनी के प्रकार, कंपनी के अंशपूँजी, अंश पूँजी का वर्गीकरण, अंशों की श्रेणियॉं एवं प्रकृति, अधिमानी अंश, समता अंश, अंशों का निर्गमन, लेखॉकन व्यवहार, बकाया मॉग, अग्रिम मॉग खाता, अधि–अभिदान, अंशों का न्यून–अभिदान, अंशों का अधिमूल्य पर निर्गमन, अंशों का बट्टे पर निर्गमन, रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल में अंशों का निर्गमन, अंशों का हरण–हरण किये गये अंशों का पुनःनिर्गमन ।

अध्याय : छह –ऋण पत्रों का निर्गम एवं मोचन– 12 अंक 30 कालखण्ड

ऋण पत्र का आशय, अंश और ऋण पत्र के बीच अंतर, ऋण पत्रों के प्रकार–सुरक्षा के दृष्टिकोण से, अवधि के दृष्टिकोण से, परिवर्तनीयता के दृष्टिकोण से, कूपन दर के दृष्टिकोण से, पंजीकरण के दृष्टिकोण से , ऋण पत्रों का निर्गम–रोकड़ के लिए ऋण पत्र का निर्गम, बट्टे पर ऋण पत्र का निर्गम, प्रीमियम पर निर्गमित ऋण पत्र, अधि–अभिदान, रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋण पत्रों का निर्गमन, ऋण पत्रों का सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन, ऋण पत्रों को निर्गमित करने की शर्तें, ऋण पत्रों पर ब्याज–लेखांकन व्यवहार, ऋण पत्र निर्गम पर बट्टा/हानि का अपलेखन ।

भाग–2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

अध्याय : एक–कंपनी के वित्तीय विवरण– 07अंक 10 कालखण्ड

वित्तीय विवरणों का अर्थ, वित्तीय विवरणों की प्रकृति, वित्तीय विवरणों के उद्देश्य, वित्तीय विवरणों के प्रकार, वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्व, वित्तिय विवरणों की सीमाएँ ।

अध्याय : दो–लेखांकनअनुपात– 05अंक 12 कालखण्ड

लेखांकन अनुपात का अर्थ, अनुपात विश्लेषण के उद्देश्य, अनुपात विश्लेषण के लाभ, अनुपात विश्लेषण की सीमाएँ, अनुपातों के प्रकार, द्रवता अनुपात–चालू अनुपात, तरल अनुपात, ऋण शोधन क्षमता अनुपात, ऋण क्षमता अनुपात, ऋण परनियोजित पूँजी अनुपात, स्वामित्व अनुपात, कुल परिसंपत्तियों पर ऋण अनुपात, ब्याज व्याप्ति अनुपात, कियाशीलता अनुपात, लाभ प्रदता अनुपात ।

अध्याय : तीन–रोकड़ प्रवाहविवरण– 08अंक 13 कालखण्ड

रोकड़ प्रवाह के उद्देश्य, रोकड़ प्रवाह विवरण के लाभ, रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य राशियॉ, रोकड़ प्रवाह, रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने हेतु क्रियाकलापों का वर्गीकरण–प्रचालन कियाकलापसेरोकड़, निवेश क्रियाकलाप से रोकड़, वित्तीय कियाकलापों से रोकड़, कुछ विशिष्ट मदों का व्यवहार । प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना–प्रत्यक्ष विधि, अप्रत्यक्ष विधि। निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना, रोकड प्रवाह विवरण का निर्माण ।

अथवा

भाग–2 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन

अध्याय : एक –कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का संक्षिप्त विवरण– 05अंक 08 कालखण्ड

भूमिका, लेखांकन में अनुप्रयोग, कम्प्यूटरीकृत लेखांकन, प्रणाली की विशेषताएँ, CAS की संरचना, सॉफ्टवेयरपैकेजेस–जेनेरिक, स्पेसिफिक, Tailored .

अध्याय : दो–इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग– 05अंक 08 कालखण्ड

इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट की अवधारणा, इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट द्वारा प्रस्तावित विशेषताएँ, जेनेरेटिंग लेखांकन सूचना में अनुप्रयोगः बैंक समाधान विवरण, संपत्ति लेखांकन : निर्धारित समय–सीमा से ऋण वापसी, अनुपात विश्लेषण, डाटा प्रस्तुतीकरण–ग्राफ, चार्ट तथा चित्रण ।

अध्याय : तीन–कम्प्यूटरीकृत लेखाप्रणाली का उपयोग– 06अंक 12 कालखण्ड

CAS की स्थापना के पद, मूल खातों के कोडिफिकेशन तथा वर्गीकरण , खाता निर्माण डाटा : प्रविष्टि, नियतिकरण तथा प्रमाणीकरण, प्रविष्टियों का समायोजन, बैलेंस शीट तैयार करना, पूर्व शेष (Opening Balance) तथा अंतःशेष (Closing Balance) के साथ लाभ–हानि के खाते, प्रणाली की सुरक्षात्मक एवं आवश्यक विशेषताएं ।

अध्याय : चार–डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (DBMS)का उपयोग– 04अंक 07 कालखण्ड

DBMS की अवधारण एवं विशेषताएँ, व्यवसायिक अनुप्रयोग में DBMS, जेरेरेटिंग लेखांकन सूचना–Payroll.

| | | |
|---|---|---|
| योग | 80 | 200 |
| प्रायोगिक | 20 | 20 |
| महायोग | 100 | 220 |